

भारत का राजपत्र

असाधारण

भाग III - खण्ड 4

प्राधिकार से प्रकाशित

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 2015

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 15 जनवरी, 2015

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015

सं. एल.ए.डी./एन.आर.ओ./जी.एन./2014-15/21/85 .- बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11 की उप-धारा (2) के खंड (छ) और धारा 12क के खंड (घ) एवं खंड (ड) के साथ पठित धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, प्रतिभूतियों में अंतरंग व्यापार के प्रतिषेध हेतु एक ढाँचा निर्धारित करने के लिए और उसके विधिक ढाँचे को मजबूत बनाने के लिए, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:-

अध्याय - I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 कहा जा सकेगा ।

(2) ये विनियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से एक सौ बीसवें दिन को प्रवृत्त होंगे ।

परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, निम्नलिखित शब्दों, पदों और उनके उद्धरणों के वही अर्थ होंगे जो नीचे उनके लिए नियत हैं:-

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;

(ख) "बोर्ड" से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अभिप्रेत है;

(ग) "अनुपालन अधिकारी" से ऐसा कोई ज्येष्ठ अधिकारी अभिप्रेत है, जो इस प्रकार पदाभिहित हो और जो निदेशक बोर्ड या बोर्ड के न होने की दशा में संगठन के प्रधान को रिपोर्ट करता हो, जिसे वित्त-संबंधी ज्ञान हो तथा जो इन विनियमों के अधीन विधिक एवं विनियामक अनुपालन संबंधी अपेक्षाओं को ठीक-ठीक समझने में समर्थ हो और जो, यथास्थिति, सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी के निदेशक बोर्ड या संगठन के प्रधान के समग्र पर्यवेक्षण के अधीन नीतियों, प्रक्रियाओं के अनुपालन, अभिलेख रखने, अप्रकाशित कीमत

संवेदनशील जानकारी रखने संबंधी नियमों के पालन का अनुश्रवण करने, व्यापारों (ट्रेड) का अनुश्रवण करने तथा इन विनियमों में विनिर्दिष्ट संहिताओं के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होगा;

(घ) "संबद्ध व्यक्ति",-

(i) से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी कंपनी से सहयुक्त है या संबंधित क्रियाकलाप से छह महीने पूर्व की अवधि के दौरान सहयुक्त रहा हो, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी भी हैसियत से, जिसमें सम्मिलित हैं - चाहे उसके अधिकारियों के साथ बार-बार संपर्क के कारण हो अथवा किसी संविदात्मक संबंध, वैश्वसिक संबंध या कार्यरत व्यक्ति (नियोजित व्यक्ति) के संबंध के तौर पर हो अथवा कंपनी के निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी के तौर पर हो अथवा वह कोई पद धारण करता हो जिसके अंतर्गत उसके तथा कंपनी के बीच वृत्तिक या कारबारी संबंध, चाहे अस्थायी हो या स्थायी, सम्मिलित है, जो ऐसे व्यक्ति को, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखने देता हो अथवा जिसके संबंध में इस प्रकार पहुँच रखने देना युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशित हो ।

(ii) पूर्ववर्ती की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित प्रवर्गों के भीतर आने वाले व्यक्तियों के बारे में यह समझा जायेगा कि वे संबद्ध व्यक्ति हैं, जब तक कि प्रतिकूल सिद्ध नहीं हो जाता, -

(क). खंड (i) में विनिर्दिष्ट संबद्ध व्यक्तियों का सीधा नातेदार; या

(ख). नियंत्री (होल्डिंग) कंपनी या सहयुक्त कंपनी या समुनषंगी (सब्सीडियरी) कंपनी; या

(ग). अधिनियम की धारा 12 में यथा विनिर्दिष्ट मध्यवर्ती अथवा उसका कर्मचारी या निदेशक; या

(घ). निवेश कंपनी (इन्वेस्टमेंट कंपनी), न्यासी कंपनी (ट्रस्टी कंपनी), आस्ति प्रबंध कंपनी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) अथवा उनका कर्मचारी या निदेशक; या

(ङ). स्टॉक एक्सचेंज का अथवा समाशोधन गृह (क्लीयरिंग हाउस) या समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) का अधिकारी; या

(च). पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड) के न्यासी बोर्ड का सदस्य या पारस्परिक निधि की आस्ति प्रबंध कंपनी के निदेशक बोर्ड का सदस्य या उसका कर्मचारी; या

(छ). कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(72) में यथा परिभाषित लोक वित्तीय संस्था (पब्लिक फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन) के निदेशक बोर्ड का सदस्य, या कर्मचारी; या

(ज). बोर्ड द्वारा मान्यताप्राप्त या प्राधिकृत स्व-विनियामक संगठन का अधिकारी या कर्मचारी; या

(झ). कंपनी का बैंककार (बैंकर); या

(ञ). समुत्थान, फर्म, न्यास, हिन्दू अविभक्त कुटुंब, कंपनी या व्यक्तियों का संगम जिनमें कंपनी के निदेशक या उसके सीधे नातेदार या कंपनी के बैंककार, की धारिता (होल्डिंग) या का हित दस प्रतिशत से अधिक हो;

टिप्पण: आशय यह है कि संबद्ध व्यक्ति वह व्यक्ति है जिसका कंपनी के साथ कोई ऐसा संबंध हो जिसके कारण ऐसी प्रत्याशा हो कि अप्रकाशित कीमत संवदेनशील जानकारी उसके कब्जे में हो सकती है । सीधे नातेदारों और ऊपर विनिर्दिष्ट अन्य प्रवर्गों के

व्यक्तियों को भी संबद्ध व्यक्ति माना जाता है, किंतु यह तो एक गृहीत विधिक कल्पना है और जिसका खंडन किया जा सकता है । इस परिभाषा का आशय इसके दायरे में उन व्यक्तियों को भी लाने का है जो कदाचित कंपनी में कोई पद धारण न करते हों किंतु जो कंपनी तथा उसके अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में रहते हों और जो कंपनी के कार्यकलापों के संबंध में जानकारी रखते हों । आशय यह है कि इसके दायरे में उन व्यक्तियों को भी लाया जाये जो ऐसे किसी संबंध के फलस्वरूप जिसके कारण अप्रकाशित कीमत संवदेनशील जानकारी उनके कब्जे में हो सकती हो, किसी कंपनी या किसी वर्ग की कंपनियों से संबंधित अप्रकाशित कीमत संवदेनशील जानकारी तक पहुँच रख सकते हों या पहुँच सकते हों ।

(ड) "साधारणतः उपलब्ध जानकारी" से वह जानकारी अभिप्रेत है जिस तक जनता बिना किसी भेदभाव के पहुँच रख सकती हो;

टिप्पण: आशय यह परिभाषित करने का है कि साधारणतः उपलब्ध जानकारी क्या होती है, ताकि यह आसानी से निर्धारित हो सके और समझा जा सके कि अप्रकाशित कीमत संवदेनशील जानकारी क्या है । किसी स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी को, आम तौर पर साधारणतः उपलब्ध जानकारी माना जायेगा ।

(च) "सीधा नातेदार" से किसी व्यक्ति का पति या की पत्नी अभिप्रेत है, और जिसमें ऐसे व्यक्ति के अथवा उसके पति या उसकी पत्नी के माता-पिता, भाई या बहन, तथा संतान सम्मिलित हैं, जिनमें से कोई भी या तो ऐसे व्यक्ति पर वित्तीय रूप से आश्रित हो, या ऐसे व्यक्ति से प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी निर्णय लेने

(विनिश्चय करने) के संबंध में परामर्श करता हो;

टिप्पण: आशय यह है कि "संबद्ध व्यक्ति" के सीधे नातेदार भी इन विनियमों के प्रयोजनार्थ संबद्ध व्यक्ति बन जाते हैं। निश्चित ही, इसका खंडन किया जा सकता है।

(छ) "अंतरंग व्यक्ति" से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है:

- i) जो संबद्ध व्यक्ति हो; या
- ii) जिसके कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हो या जो अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखता हो;

टिप्पण: चूँकि "साधारणतः उपलब्ध जानकारी" तो परिभाषित है, फिर भी आशय यह है कि ऐसे किसी भी व्यक्ति को, जिसके कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हो या जो अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखता हो, "अंतरंग व्यक्ति" माना जाये, इस बात पर विचार किये बिना कि ऐसी जानकारी उसके कब्जे में कैसे आयी या ऐसी जानकारी तक वह कैसे पहुँचा। ऐसे व्यक्ति के लिए विभिन्न परिस्थितियाँ निर्धारित की गई हैं जिनके अनुसार वह यह साबित कर सकता है कि वह अंतरंग व्यापार में लिप्त नहीं रहा। इस प्रकार, इस परिभाषा का आशय इसके दायरे में ऐसे किसी व्यक्ति को लाने का है जिसे अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी प्राप्त हुई हो या जो अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखता हो। इसलिए, यह साबित करने का दायित्व, कि व्यापार (ट्रेडिंग) के समय अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी किसी अमुक व्यक्ति के कब्जे में थी या वह उस तक पहुँच रखता था, उस व्यक्ति पर

होगा जो ऐसा आरोप लगाता हो, जिसके बाद वह व्यक्ति जिसने उस समय व्यापार (ट्रेड) किया हो जब अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उसके कब्जे में रही या उसकी उस तक पहुँच रही, यह साबित कर सकेगा कि उसके कब्जे में ऐसी जानकारी नहीं थी या यह कि उसने व्यापार (ट्रेड) नहीं किया या वह ऐसी जानकारी तक पहुँच नहीं रख सकता था या यह कि ऐसी जानकारी उसके कब्जे में होने के दौरान उसके द्वारा किया गया व्यापार (ट्रेडिंग) पूरी तरह से क्षम्य परिस्थितियों के दायरे में आता था ।

(ज) "संप्रवर्तक" (प्रोमोटर) का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 या उसके किसी उपांतर के अधीन इसके लिए नियत है;

(झ) "प्रतिभूतियों" (या "प्रतिभूतियाँ") का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) या उसके किसी उपांतर के अधीन इसके लिए नियत है, और जिनमें पारस्परिक निधि की यूनितें सम्मिलित नहीं होंगी;

(ञ) "विनिर्दिष्ट" से बोर्ड द्वारा लिखित रूप में विनिर्दिष्ट अभिप्रेत है;

(ट) "अधिग्रहण संबंधी विनियमों" से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 और उसके कोई संशोधन अभिप्रेत हैं;

(ठ) "व्यापार" (ट्रेडिंग) से अभिप्रेत है और उसमें सम्मिलित है - किन्हीं प्रतिभूतियों में अभिदाय करना, को खरीदना, को बेचना, उनमें व्यौहार करना, या उनमें अभिदाय करने, को खरीदने, को बेचने, उनमें व्यौहार करने के लिए सहमत होना, और "ट्रेड" ("व्यापार")

का अर्थ तदनुसार लगाया जायेगा;

टिप्पण: संसदीय अधिदेश के अधीन, चूँकि अधिनियम की धारा 12क (ड) एवं धारा 15छ में शब्दों 'प्रतिभूतियों में व्यौहार' का प्रयोग किया गया है, इसलिए आशय यह है कि शब्द "व्यापार" (ट्रेडिंग) को व्यापक रूप से परिभाषित किया जाये ताकि उसके अंतर्गत व्यौहार (डीलिंग) भी शामिल हो सके। ऐसा करने का आशय अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के आधार पर किये गये उन क्रियाकलापों पर काबू पाना है जो अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी रहने के दौरान खरीदने, बेचने या अभिदाय करने की कोटि में पूरी तरह से नहीं आते, जैसे गिरवी रखना आदि।

(ड) "व्यापार के दिन" (ट्रेडिंग डे) से वह दिन अभिप्रेत है जिस दिन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज व्यापार (ट्रेडिंग) के लिए खुले रहते हैं;

(ढ) "अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी" से कंपनी या उसकी प्रतिभूतियों से, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, संबंधित कोई ऐसी जानकारी अभिप्रेत है, जो साधारणतः उपलब्ध न हो जिसके साधारणतः उपलब्ध हो जाने पर प्रतिभूतियों की कीमत के तात्त्विक रूप से प्रभावित होने की संभावना हो सकती हो और जिसमें सामान्यतः निम्नलिखित से संबंधित जानकारी सम्मिलित होगी किंतु जो निम्नलिखित तक ही सीमित नहीं होगी :-

(i) वित्तीय परिणाम;

(ii) लाभांश;

(iii) पूँजी संरचना (कैपिटल स्ट्रक्चर) में परिवर्तन;

- (iv) विलयन (मर्जर), अविलयन (डी-मर्जर), अर्जन (एक्विज़ीशन), असूचीबद्धताएँ (डीलिस्टिंग), व्ययन (डिस्पोज़ल) तथा कारबार का विस्तार और ऐसे अन्य संव्यवहार;
- (v) मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों में परिवर्तन; और
- (vi) सूचीबद्धता करार (लिस्टिंग एग्रीमेंट) के अनुसार महत्त्वपूर्ण घटनाएँ ।

टिप्पण: आशय यह है कि कंपनी या प्रतिभूतियों से संबंधित जो जानकारी साधारणतः उपलब्ध न हो, वह अप्रकाशित कीमत संवदेनशील जानकारी होगी यदि जनता के लिए (पब्लिक डोमेन में) उसके उपलब्ध हो जाने पर कीमत के तात्विक रूप से प्रभावित होने की संभावना हो सकती हो । जो-जो जानकारी सामान्यतः अप्रकाशित कीमत संवदेनशील जानकारी की कोटि में आती है, उसके कुछ उदाहरण मार्गदर्शन प्रदान करने की दृष्टि से ऊपर दिये गये हैं ।

(2) इन विनियमों में उपयोग किये गये तथा अपरिभाषित किंतु भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15), प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42), निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) या कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) और उनके अधीन बनाये गये नियमों तथा विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो उन विधानों में क्रमशः उनके लिए नियत हों ।

अध्याय – II

अंतरंग व्यक्तियों द्वारा संसूचना और व्यापार (ट्रेडिंग) पर निर्बंधन

अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी की संसूचना या उसकी प्राप्ति

3. (1) कोई भी अंतरंग व्यक्ति, किसी कंपनी अथवा सूचीबद्ध या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित प्रतिभूतियों के संबंध में, किसी व्यक्ति जिसमें अन्य अंतरंग व्यक्ति सम्मिलित हैं को कोई अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी संसूचित नहीं करेगा, उपलब्ध नहीं करायेगा, या किसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखने की अनुज्ञा नहीं देगा (रखने नहीं देगा), सिवाय वहाँ जहाँ ऐसी संसूचना विधिसम्मत प्रयोजनों, कर्तव्यों के पालन या विधिक बाध्यताओं के निर्वहन हेतु हो।

टिप्पण : इस प्रावधान का आशय उन समस्त अंतरंग व्यक्तियों, जिनके कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी है, पर यह बाध्यता डालना है कि वे ऐसी जानकारी को सावधानीपूर्वक संभालकर रखें और अपना कारबार करते समय अपने पास रखी जानकारी के संबंध में कार्यवाही 'जानने की आवश्यकता के आधार पर ही' करें। इसका आशय यह भी है कि जिन संगठनों आदि के कब्जे में जो जानकारी हो वे उस जानकारी के संबंध में 'जानने की आवश्यकता' संबंधी सिद्धांतों के आधार पर पद्धतियाँ विकसित करें।

(2) कोई भी व्यक्ति, किसी कंपनी अथवा सूचीबद्ध या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित प्रतिभूतियों के संबंध में, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी रखने वाले

किसी अंतरंग व्यक्ति से कोई संसूचना प्राप्त नहीं करेगा या उससे कुछ भी संसूचित नहीं करवायेगा, सिवाय वहाँ जहाँ ऐसी संसूचना विधिसम्मत प्रयोजनों, कर्तव्यों के पालन या विधिक बाध्यताओं के निर्वहन हेतु हो ।

टिप्पण : इस प्रावधान का आशय अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को विधिविरुद्ध रूप से कब्जे में लेने पर रोक लगाना है । अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को उत्प्रेरित करना और उसे प्राप्त करना इस प्रावधान के तहत अवैध होगा, यदि ऐसा किसी के विधिसम्मत कर्तव्यों हेतु और बाध्यताओं के निर्वहन हेतु न किया गया हो ।

(3) इस विनियम में दी हुई किसी बात के होते हुए भी, ऐसे किसी संव्यवहार (ट्रांजेक्शन) के संबंध में, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी संसूचित की जा सकेगी, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखने की अनुज्ञा दी जा सकेगी या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी प्राप्त की जा सकेगी :-

(i) जिसके अनुसार अधिग्रहण संबंधी विनियमों के अधीन खुला प्रस्ताव (ओपन ऑफर) लाने की बाध्यता हो जाये, जहाँ कंपनी के निदेशक बोर्ड की सोच-समझकर यह राय बनी हो कि प्रस्तावित संव्यवहार कंपनी के सर्वोत्तम हित में है;

टिप्पण : आशय यह है कि महत्त्वपूर्ण संव्यवहारों, जैसे अधिग्रहणों, विलयनों और अर्जनों, जिनके अंतर्गत प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेडिंग) और नियंत्रण में परिवर्तन

शामिल है, के संबंध में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को संसूचित करने, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को उपलब्ध कराने, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखने की अनुमति देने या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को प्राप्त करने की आवश्यकता को स्वीकारा जाये, ताकि भावी निवेश का आकलन किया जा सके । अधिग्रहण संबंधी विनियमों के अधीन खुले प्रस्ताव में, न केवल कंपनी के सभी शेयरधारकों को एक ही कीमत उपलब्ध करायी जायेगी बल्कि ऐसी समस्त आवश्यक जानकारी [जो आम शेयरधारकों को सोच-समझकर निर्निहित करने (डाइवैस्टमेंट) या रखे रहने (रिटैन्शन) का निर्णय लेने में समर्थ बनाये] भी उन विनियमों के अधीन प्रस्ताव पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) में सभी शेयरधारकों को उपलब्ध करायी जानी अपेक्षित है।

(ii) जो अधिग्रहण (टेकओवर) संबंधी विनियमों के अधीन खुला प्रस्ताव लाने की बाध्यता को आकृष्ट न करता हो, किंतु जहाँ कंपनी के निदेशक बोर्ड की सोच-समझकर यह राय बनी हो कि प्रस्तावित संव्यवहार कंपनी के सर्वोत्तम हित में है और जो जानकारी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी की कोटि में आती हो वह किये जाने वाले प्रस्तावित संव्यवहार से व्यापार के कम से कम दो दिन (ट्रेडिंग डे) पूर्व, ऐसे रूप में जैसा निदेशक बोर्ड अवधारित करे, प्रसारित की जाती है, ताकि वह साधारणतः उपलब्ध हो जाये ।

टिप्पण : आशय यह है कि ऐसे संव्यवहारों के संबंध में भी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को संसूचित करने, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी

को उपलब्ध कराने, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच रखने देने या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को प्राप्त करने की अनुमति दी जाये, जिनके अनुसार अधिग्रहण संबंधी विनियमों के अधीन खुले प्रस्ताव की बाध्यता न होती हो, यदि ऐसा कंपनी के सर्वोत्तम हित में हो । हालाँकि, निदेशक बोर्ड (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) प्रस्तावित संव्यवहार से पहले ही ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के सार्वजनिक प्रकटीकरण करवायेगा, ताकि बाजार में जानकारी को लेकर यदि कोई विषमता हो तो वह दूर हो सके ।

(4) उप-विनियम (3) के प्रयोजनार्थ, निदेशक बोर्ड पक्षकारों (पार्टियों) से यह अपेक्षा करेगा कि वे गोपनीयता और अप्रकटीकरण (नॉन-डिस्कलोजर) बाध्यताओं के संबंध में करार निष्पादित करें और ऐसे पक्षकार इस प्रकार प्राप्त जानकारी को गोपनीय रखेंगे, उप-विनियम (3) के प्रयोजन के सिवाय, और वे उस समय कंपनी की प्रतिभूतियों में अन्यथा व्यापार (ट्रेड) नहीं करेंगे जिस समय अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उनके कब्जे में हो ।

उस समय व्यापार (ट्रेडिंग) जब अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी कब्जे में हो

4. (1) कोई भी अंतरंग व्यक्ति प्रतिभूतियों, जो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हों, में उस समय व्यापार (ट्रेड) नहीं करेगा जिस समय अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उसके कब्जे में हो:

परंतु यह कि अंतरंग व्यक्ति परिस्थितियों को दर्शाकर अपनी निर्दोषिता साबित कर सकता है, जिनमें निम्नलिखित परिस्थितियाँ सम्मिलित हैं :-

(i) संव्यवहार (ट्रान्जेक्शन) संप्रवर्तकों, जिनके कब्जे में वही अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी थी, के बीच बाजार से परे (ऑफ मार्केट) परस्पर अंतरण विनियम 3 को भंग किये बिना हुआ और दोनों पक्षकारों (पार्टियों) ने व्यापार (ट्रेड) संबंधी निर्णय (विनिश्चय) पूरी तरह से सोच-समझकर लिया था;

(ii) जो अंतरंग व्यक्ति व्यष्टि न हों, उनके मामले में: –

(क) व्यष्टि, जिनके कब्जे में ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी थी, व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी निर्णय लेने (विनिश्चय करने) वाले व्यष्टियों से भिन्न थे और निर्णय लेने (विनिश्चय करने) वाले ऐसे व्यष्टियों के कब्जे में उस समय ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी नहीं थी जब उन्होंने व्यापार (ट्रेड) करने का निर्णय लिया (विनिश्चय किया) था; और

(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए समुचित और पर्याप्त इंतजाम किये गये कि इन विनियमों का अतिक्रमण न हो और जिन व्यष्टियों के कब्जे में जानकारी थी उन व्यष्टियों द्वारा कोई भी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी निर्णय लेने (विनिश्चय करने) वाले व्यष्टियों को संसूचित नहीं की गयी थी और ऐसे इंतजामों को भंग किये जाने का कोई भी साक्ष्य नहीं है;

(iii) व्यापार (ट्रेड) विनियम 5 के अनुसार निर्धारित की गयी व्यापार योजना (ट्रेडिंग प्लान) के अनुसरण में किये गये थे ।

टिप्पण : जिस समय प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेड) करने वाले व्यक्ति के कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी रही हो, तो उस समय उसके द्वारा किये गये व्यापारों (ट्रेड) के बारे में यह माना जायेगा कि उसके द्वारा इस प्रकार किये गये व्यापार (ट्रेड) उसके कब्जे में रखी ऐसी जानकारी के भ्रान से प्रेरित रहे । आशय यह है कि जिन कारणों से वह व्यापार (ट्रेड) करता है या जिन प्रयोजनों से वह संव्यवहारों (ट्रांजेक्सन) की आगमें (प्रोसीड्स) लगाता है, ऐसे कारण या ऐसे प्रयोजन यह तय करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं कि किसी व्यक्ति ने विनियम का उल्लंघन (अतिक्रमण) किया है या नहीं । आरोप लगाते समय ही यह साबित करना आवश्यक होगा कि उसने व्यापार (ट्रेड) उस समय किया जब अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उसके कब्जे में थी । एक बार जब यह सिद्ध हो जाये, तो अंतरंग व्यक्ति परंतुक में उल्लिखित परिस्थितियों को दर्शाकर अपनी निर्दोषिता (बेगुनाही) साबित कर सकता है, ऐसा न किये जाने पर यह माना जायेगा कि उसने प्रतिषेध का उल्लंघन (अतिक्रमण) किया होगा ।

(2) संबद्ध व्यक्तियों के मामले में, यह सिद्ध करने का दायित्व कि अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उनके कब्जे में नहीं थी, ऐसे संबद्ध व्यक्तियों पर होगा और अन्य मामलों में यह दायित्व बोर्ड पर होगा ।

(3) बोर्ड, समय-समय पर, ऐसे मानक और अपेक्षाएँ विनिर्दिष्ट कर सकेगा, जैसा यह

इन विनियमों के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझे ।

व्यापार (ट्रेडिंग) योजनाएँ

5. (1) अंतरंग व्यक्ति व्यापार योजना बनाने का हकदार होगा और उसे अनुपालन अधिकारी को अनुमोदन तथा सार्वजनिक प्रकटीकरण के लिए पेश करेगा जिसके अनुसरण में व्यापार (ट्रेड) उसकी ओर से ऐसी योजना के अनुसार किये जा सकेंगे ।

टिप्पण: इस प्रावधान का आशय उन व्यक्तियों को एक विकल्प देने का है जिनके कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हमेशा रहती हो और उन्हें नियमबद्ध रूप से प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेड) करने में समर्थ बनाने का है । इस प्रावधान से अंतरंग व्यक्ति व्यापार योजना बनाने में समर्थ होगा, ताकि वह भविष्य में किये जाने वाले व्यापारों (ट्रेड) के लिए योजना बना सके । ऐसा करने से, व्यापार योजना के तहत वास्तव में व्यापार (ट्रेड) किये जाने के समय अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी का होना, ऐसे व्यापारों (ट्रेड) को करने से प्रतिषिद्ध नहीं करेगा जिनके संबंध में वह अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी बनने से पहले ही निर्णय ले चुका था ।

(2) ऐसी व्यापार योजना के अंतर्गत:-

(i) योजना के सार्वजनिक प्रकटीकरण से छह महीनों तक अंतरंग व्यक्ति की ओर से व्यापार (ट्रेडिंग) प्रारंभ नहीं किया जायेगा;

टिप्पण: आशय यह है कि व्यापार योजना का लाभ पाने के लिए, छह महीनों की विराम-

अवधि (कूलिंग-ऑफ पीरियड) आवश्यक है । ऐसी अवधि उस अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी, जो व्यापार योजना बनाते समय अंतरंग व्यक्ति के कब्जे में हो, के साधारणतः उपलब्ध जानकारी बनने के लिए काफी लंबी मानी जाती है । इसे उस समय-अंतराल के लिए भी उचित अवधि माना जा सकता है जिसके दौरान नयी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी आ सकती हो, उस व्यापार योजना पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो पहले से ही बनायी गयी हो । प्रत्येक स्थिति में, यह ध्यान रहे कि यह तो केवल कानूनी तौर पर दी गयी विराम-अवधि है और इससे कार्रवाई से उन्मुक्ति नहीं मिलेगी यदि अंतरंग व्यक्ति के कब्जे में वही अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी योजना बनाये जाने के समय और उसे कार्यान्वित किये जाने के समय थी ।

(ii) किसी वित्तीय अवधि, जिसके लिए परिणामों की घोषणा प्रतिभूतियों के निर्गमकर्ता (इश्युअर) द्वारा की जानी अपेक्षित हो, के अंतिम दिन से पूर्व के व्यापार के बीसवें दिन और ऐसे वित्तीय परिणामों के प्रकटीकरण के पश्चात् व्यापार के दूसरे दिन के बीच की अवधि के दौरान व्यापार (ट्रेडिंग) नहीं किया जायेगा;

टिप्पण: चूँकि व्यापार योजना की कल्पना उस साधारण नियम के अपवाद के रूप में की गयी है, जिसके अनुसार अंतरंग व्यक्ति उस समय व्यापार (ट्रेडिंग) नहीं कर सकते जिस समय उनके कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हो, इसलिए यह महत्त्वपूर्ण है कि व्यापार योजना के अंतर्गत ऐसी मुनासिब अवधि के दौरान व्यापार (ट्रेडिंग) न किया जाये जो वित्तीय परिणाम घोषित किये जाने के आस-पास की अवधि हो क्योंकि उससे अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उत्पन्न हो सकती हो ।

(iii) कम से कम बारह महीनों की अवधि के लिए व्यापार (ट्रेडिंग) होगा;

टिप्पण: आशय यह है कि छोटी-छोटी अवधियों के लिए व्यापार योजनाओं की बार-बार घोषणाएँ करना अनुचित होगा क्योंकि इनसे व्यापार (ट्रेड) करने के निर्णय और वास्तव में व्यापार (ट्रेड) किये जाने के बीच एक मुनासिब समय-अंतराल का तर्क महत्त्वहीन हो जायेगा । इसलिए, यह महसूस किया गया कि बारह महीनों का समय उचित रहेगा ।

(iv) व्यापार (ट्रेडिंग) ऐसी अवधि के लिए नहीं होगा जिसके दौरान दूसरी व्यापार योजना पहले से ही विद्यमान हो;

टिप्पण: आशय यह है कि एक ही समयावधि के दौरान अनेक व्यापार योजनाएँ चलाना उचित नहीं होगा । चूंकि अंतरंग व्यक्ति के लिए यह संभव होगा कि वह अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी को साधारणतः उपलब्ध जानकारी बनाने के लिए उसे प्रकाशित करने हेतु समय निर्धारित करे, बजाय इसके कि वह व्यापारों (ट्रेड) का समय निर्धारित करे, इसके लिए यह जरूरी है कि एक ही समयावधि के दौरान एक से अधिक योजना शुरू ही न की जा सके ।

(v) या तो किये जाने वाले व्यापारों (ट्रेड) के मूल्य का या फिर जिन प्रतिभूतियों का व्यापार (ट्रेड) किया जाना हो उन प्रतिभूतियों की संख्या का, व्यापार (ट्रेड) के स्वरूप के साथ-साथ, और उन अंतरालों, या उन तारीखों का उल्लेख होगा, जब ऐसे व्यापार (ट्रेड)

किये जायेंगे; और

टिप्पण: आशय यह है कि जहाँ विनियम इस बारे में अधिक निर्देशात्मक और कड़े नहीं होने चाहिए कि व्यापार योजना के अंतर्गत क्या-क्या होना चाहिए, तो वहीं उनके अंतर्गत कुछ ऐसे मूलभूत मानदंड निर्धारित होने चाहिए जो व्यापार योजना में निहित हों और जिनके दायरे में योजना बनाते समय पूरी लचक रहे । व्यापार योजना के अंतर्गत व्यापारों (ट्रेड) का स्वरूप, अर्थात् अर्जन या व्ययन (डिस्पोज़ल), निर्धारित किया जाना चाहिए। व्यापार योजना के अंतर्गत उन प्रतिभूतियों के मूल्य को या उन प्रतिभूतियों की संख्या को भी निर्धारित किया जा सकेगा जिन प्रतिभूतियों में निवेश किया जाना हो या जिन प्रतिभूतियों को निर्निहित (डायवेस्ट) किया जाना हो । योजना के अंतर्गत निश्चित तारीखें और निश्चित समय-अंतराल निर्धारित किये जा सकेंगे ।

(vi) बाजार के दुरुपयोग के लिए प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेडिंग) नहीं किया जायेगा ।

टिप्पण: ऐसी व्यापार योजना के आधार पर किया गया व्यापार (ट्रेडिंग) बाजार दुरुपयोग संबंधी कार्यवाहियों से पूर्ण उन्मुक्ति प्रदान नहीं करेगा । उदाहरण के लिए, विनियम 4 के साथ जोड़-तोड़ करके व्यापार योजना के तहत व्यापार (ट्रेडिंग) फायदेमंद हो सके, यह सुनिश्चित करने के लिए अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी दिये जाने के समय में हेरफेर किये जाने की दशा में, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति बाजार से संबंधित कपटपूर्ण और अऋजु व्यापारिक व्यापारों का प्रतिषेध) विनियम, 2003 के कथित उल्लंघन हेतु कार्यवाहियाँ शुरू की जा सकेंगी ।

(3) अनुपालन अधिकारी यह निर्धारित करने के लिए व्यापार योजना की समीक्षा करेगा कि क्या इस योजना से इन विनियमों के अतिक्रमण की कोई संभावना हो सकती है और वह ऐसे स्पष्ट वचनों की माँग करने का हकदार होगा जो ऐसे निर्धारण को समर्थ बनाने और योजना के अनुमोदन तथा उसके कार्यान्वयन के अनुश्रवण के लिए आवश्यक हों ।

टिप्पण: आशय यह है कि अनुपालन अधिकारी को योजना की समीक्षा करनी होगी और उसे अनुमोदित करना होगा (मंजूरी देनी होगी) । ऐसा करने के लिए, वह अंतरंग व्यक्ति से यह घोषणा करने की अपेक्षा कर सकेगा कि उसके कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी नहीं है या यह कि वह यह सुनिश्चित करेगा कि जो भी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उसके कब्जे में हो वह अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उसके द्वारा व्यापार (ट्रेड) प्रारंभ किये जाने से पहले साधारणतः उपलब्ध हो जाये । एक बार समाधान हो जाने पर, वह व्यापार योजना को अनुमोदित कर (मंजूरी दे) सकेगा, जिसे फिर इन विनियमों के अनुसार कार्यान्वित करना होगा ।

(4) एक बार अनुमोदित हो जाने के पश्चात् व्यापार योजना अप्रतिसंहरणीय होगी और अंतरंग व्यक्ति को अनिवार्यतः योजना कार्यान्वित करनी होगी, और इस प्रकार न तो वह इससे विचलित होने का हकदार होगा और न ही वह व्यापार योजना के दायरे से बाहर प्रतिभूतियों में कोई व्यापार (ट्रेड) करने का हकदार होगा:

परंतु यह कि व्यापार योजना का कार्यान्वयन प्रारंभ नहीं किया जायेगा यदि कोई

अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी, जो योजना बनाने के समय अंतरंग व्यक्ति के कब्जे में हो, कार्यान्वयन के प्रारंभ के समय साधारणतः उपलब्ध न हुई हो और ऐसी दशा में अनुपालन अधिकारी यह पुष्टि करेगा कि प्रारंभ को ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के साधारणतः उपलब्ध जानकारी बन जाने तक आस्थगित कर दिया जाये जिससे कि विनियम 4 के उप-विनियम (1) के अतिक्रमण से बचा जा सके ।

टिप्पण: आशय यह है कि चूँकि व्यापार योजना इस साधारण नियम की एक अपवाद है कि अंतरंग व्यक्ति (इनसाइडर) को उस समय व्यापार (ट्रेड) नहीं करना चाहिए जिस समय अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उसके कब्जे में हो, इसलिए योजना में बदलाव करना या उसके दायरे से बाहर व्यापार (ट्रेडिंग) करना इस अपवाद के पीछे छुपे मकसद को बेअसर कर देगा । व्यापार योजना का असर बाजार के अन्य निवेशकों द्वारा लिए जाने वाले व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी निर्णयों पर और कीमत-निर्धारण पर भी पड़ेगा । इसलिये, यह उचित या उपयुक्त नहीं है कि अंतरंग व्यक्ति को उस व्यापार योजना से विचलित होने (में बदलाव करने) की अनुमति दी जाये जिसके आधार पर बाजार में दूसरों ने प्रतिभूतियों के संबंध में अपनी राय कायम की हो ।

ऊपर दिये गये परंतुक का आशय उस संभावना पर गौर करना है कि व्यापार योजना बनाये जाने और इसे शुरू किये जाने के बीच के छह महीने के अंतराल के बावजूद यह हो सकता है कि जो अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी अंतरंग व्यक्ति के कब्जे में हो, वह अब भी साधारणतः उपलब्ध न हो । ऐसी स्थिति में, योजना शुरू करना उस अध्यारोही सिद्धांत के विरोध में होगा कि ऐसी जानकारी कब्जे में होने के दौरान व्यापार

(ट्रेड) न किये जायें । यदि वही अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी अब भी अंतरंग व्यक्ति के कब्जे में हो, तो व्यापार योजना के निष्पादन के प्रारंभ को आस्थगित कर दिया जाना (टाल देना) चाहिए ।

(5) व्यापार योजना का अनुमोदन हो जाने पर, अनुपालन अधिकारी योजना उन स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित करेगा जिन स्टॉक एक्सचेंजों में प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों ।

टिप्पण: आशय यह है कि विनियम 4 के अंतर्गत प्रतिषेधात्मक नियम के एक अहम अपवाद के मद्देनज़र, यह अपेक्षित है कि व्यापार योजना जनता को प्रसारित की जाये । बड़े पैमाने पर बाजार में निवेश करने वाले निवेशक भी प्रतिभूतियों के अपने आकलन में और कीमत-निर्धारण में व्यापार योजना के अंतर्गत निहित संभावित संकेतकों पर इस आधार पर गौर करेंगे कि अंतरंग व्यक्ति अपनी व्यापार योजना में प्रतिभूतियों से संबंधित संभावनाओं को कैसे देखते हैं या प्रतिभूतियों के प्रति उनका क्या नज़रिया है ।

अध्याय - III

अंतरंग व्यक्तियों द्वारा व्यापार (ट्रेडिंग) के प्रकटीकरण

साधारण उपबंध

6. (1) इस अध्याय के अधीन प्रत्येक सार्वजनिक प्रकटीकरण ऐसे प्ररूप में किया जायेगा जैसा विनिर्दिष्ट किया जाये ।

(2) इस अध्याय के अधीन किसी व्यक्ति द्वारा किये जाने वाले प्रकटीकरणों में वे प्रकटीकरण सम्मिलित होंगे जो ऐसे व्यक्ति के सीधे नातेदारों द्वारा व्यापार (ट्रेडिंग), और किसी अन्य व्यक्ति, जिसके लिए ऐसा व्यक्ति व्यापार (ट्रेडिंग) से संबंधित निर्णय लेता (विनिश्चय करता) हो, द्वारा व्यापार (ट्रेडिंग) से संबंधित हों ।

***टिप्पण :** आशय यह है कि न केवल संबंधित व्यक्ति द्वारा किये गये व्यापारों (ट्रेड) का प्रकटीकरण करना होगा बल्कि सीधे नातेदारों द्वारा किये गये व्यापारों (ट्रेड) का भी प्रकटीकरण करना होगा, और ऐसे किन्हीं अन्य व्यक्तियों द्वारा किये गये व्यापारों (ट्रेड) का भी प्रकटीकरण करना होगा जिनके लिए संबंधित व्यक्ति व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी निर्णय (विनिश्चय) लेता हो । इन विनियमों का मुख्य उद्देश्य ऐसी स्थिति में व्यापार (ट्रेडिंग) से होने वाले दुरुपयोग को रोकना है जब अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी कब्जे में हो, और इसीलिये मायने यह रखता है कि क्या उस व्यक्ति के कब्जे में ऐसी जानकारी है जो व्यापार (ट्रेडिंग) संबंधी निर्णय लेता (विनिश्चय करता) है न कि यह कि क्या उस व्यक्ति के कब्जे में ऐसी जानकारी है जिसके पास व्यापारों (ट्रेड) का हक*

(टाइटल) है ।

(3) प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेडिंग) के प्रकटीकरणों में प्रतिभूतियों के व्युत्पन्नियों (डेरिवेटिव) में व्यापार (ट्रेडिंग) भी सम्मिलित होगा और इस अध्याय के प्रयोजनार्थ व्युत्पन्नियों के व्यापारित मूल्य (ट्रेडिड वैल्यू) पर विचार किया जायेगा :

परंतु यह कि प्रतिभूतियों के व्युत्पन्नियों में व्यापार (ट्रेडिंग) तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा अनुज्ञात हो ।

(4) इस अध्याय के अधीन किये गये प्रकटीकरण कंपनी द्वारा, पाँच वर्षों की न्यूनतम अवधि हेतु, ऐसे रूप में रखे जायेंगे जैसा विनिर्दिष्ट किया जाये ।

कतिपय व्यक्तियों द्वारा प्रकटीकरण

7. (1) आरंभिक प्रकटीकरण

(क). प्रत्येक कंपनी, जिसकी प्रतिभूतियाँ किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों, का प्रत्येक संप्रवर्तक, मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक और निदेशक इन विनियमों के प्रभावी होने की तारीख को कंपनी की प्रतिभूतियों की अपनी धारिता (होल्डिंग), इन विनियमों के प्रभावी होने के तीस दिनों के भीतर कंपनी को प्रकट करेगा ;

(ख). कंपनी के मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक या निदेशक के रूप में नियुक्त होने पर अथवा संप्रवर्तक बनने पर प्रत्येक व्यक्ति नियुक्ति या संप्रवर्तक बनने की तारीख को कंपनी की प्रतिभूतियों की अपनी धारिता (होल्डिंग), ऐसी

नियुक्ति या इस प्रकार संप्रवर्तक बनने के सात दिनों के भीतर कंपनी को प्रकट करेगा ।

(2) सतत प्रकटीकरण

- (क). प्रत्येक कंपनी का प्रत्येक संप्रवर्तक, कर्मचारी और निदेशक कंपनी को ऐसी प्रतिभूतियों (जिनका अर्जन या व्ययन किया गया) की संख्या ऐसे संव्यवहार (ट्रांजेक्शन) से व्यापार के दो दिनों (ट्रेडिंग डे) के भीतर प्रकट करेगा यदि व्यापारित प्रतिभूतियों के मूल्य, किसी कलेंडर तिमाही के दौरान चाहे एक संव्यवहार में या अनेक संव्यवहारों में, का योग ऐसा व्यापारित मूल्य हो जो दस लाख रुपये या ऐसे अन्य मूल्य जैसा विनिर्दिष्ट किया जाये से अधिक हो;
- (ख). प्रत्येक कंपनी ऐसे व्यापार (ट्रेडिंग) के ब्यौरे, ऐसी जानकारी के प्रकटीकरण की प्राप्ति के या ऐसी जानकारी होने से व्यापार के दो दिनों (ट्रेडिंग डे) के भीतर, उस स्टॉक एक्सचेंज को सूचित करेगी जहाँ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों।

स्पष्टीकरण. - शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि इस उप-विनियम के अधीन किसी प्रकटीकरण के पश्चात् और होने वाले संव्यवहारों का प्रकटीकरण किया जायेगा, जब पूर्व प्रकटीकरण के पश्चात् किये गये संव्यवहार उप-विनियम (2) के खंड (क) में विनिर्दिष्ट सीमा-रेखा (थ्रेसहोल्ड) पार कर जायें ।

अन्य संबद्ध व्यक्तियों द्वारा प्रकटीकरण

(3) कोई कंपनी, जिसकी प्रतिभूतियाँ स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों, अपने विवेकानुसार किसी अन्य संबद्ध व्यक्ति या संबद्ध व्यक्तियों के वर्ग से यह अपेक्षा कर सकेगी कि वह कंपनी की प्रतिभूतियों में धारिताओं (होल्डिंग्स) तथा व्यापार (ट्रेडिंग) के प्रकटीकरण ऐसे प्ररूप में और ऐसे अंतराल पर करे, जैसा इन विनियमों के अनुपालन के अनुश्रवण के लिए कंपनी द्वारा अवधारित किया जाये ।

टिप्पण : यह प्रावधान सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनियों को उनसे जानकारी माँगने में समर्थ बनाता है जिनको सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी उपलब्ध करानी होती है । यह प्रावधान किसी कंपनी को ऐसी जानकारी मँगाने का अधिकार प्रदान करता है । उदाहरण के लिए, सूचीबद्ध कंपनी यह कह सकती है कि प्रबंध परामर्शदाता, जो उसे कारपोरेट नीति के संबंध में सलाह देगा और जिससे अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी की समीक्षा करना अपेक्षित होगा, अपने व्यापारों (ट्रेड) के प्रकटीकरण कंपनी को करे ।

अध्याय – IV

उचित प्रकटीकरण संहिता और आचार संहिता

उचित प्रकटीकरण संहिता

8. (1) प्रत्येक कंपनी, जिसकी प्रतिभूतियाँ स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हों, का निदेशक बोर्ड, अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के उचित प्रकटीकरण के लिए पद्धति एवं प्रक्रिया संहिता बनायेगा और उसे अपने अधिकृत वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा जिसका अनुसरण वह कंपनी इन विनियमों की अनुसूची-क में निर्धारित प्रत्येक सिद्धांत का पालन करने के लिए करेगी, और साथ ही किसी भी प्रकार से इन विनियमों के उपबंधों के प्रभाव को कम नहीं किया जायेगा ।

***टिप्पण :** इस प्रावधान का आशय प्रत्येक कंपनी, जिसकी प्रतिभूतियाँ स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हों, से यह अपेक्षा करना है कि वह ऐसी घटनाओं आदि के उचित प्रकटीकरण हेतु एक निश्चित ढाँचा और नीति बनाये, जो बाजार में उसकी प्रतिभूतियों के कीमत-निर्धारण (प्राइस डिसक्वरी) को प्रभावित कर सकती हों । अनुसूची में सिद्धांत निर्धारित किये गये हैं, जैसे कि जानकारी तक पहुँच रखने की समानता के, नीतियों (जैसे लाभांश संबंधी, इनऑर्गेनिक ग्रोथ परसूट्स संबंधी, विश्लेषकों के साथ कॉल्स तथा बैठकों संबंधी) के प्रकाशन के, ऐसी कॉल्स तथा बैठकों की अनुलिपियों के प्रकाशन के, और इसी तरह की अन्य बातों के ।*

(2) अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के उचित प्रकटीकरण के लिए प्रत्येक

ऐसी पद्धति एवं प्रक्रिया संहिता और उसके प्रत्येक संशोधन की सूचना तुरंत उन स्टॉक एक्सचेंजों को दी जायेगी, जहाँ प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों ।

टिप्पण : इस प्रावधान का उद्देश्य उप-विनियम (1) के अंतर्गत बनायी गयी नीति के पारदर्शी प्रकटीकरण की अपेक्षा करना है ।

आचार संहिता

9. (1) प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी का निदेशक बोर्ड और बाजार मध्यवर्ती, इन विनियमों के अनुपालन हेतु, अपने कर्मचारियों और अन्य संबद्ध व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले व्यापार (ट्रेडिंग) को विनियमित करने, उसका अनुश्रवण करने तथा उसकी रिपोर्ट देने के लिए एक आचार संहिता बनायेगा, जिसके अंतर्गत इन विनियमों की अनुसूची-ख में निर्धारित न्यूनतम मानकों को अपनाया जायेगा और साथ ही किसी भी प्रकार से इन विनियमों के उपबंधों के प्रभाव को कम नहीं किया जायेगा ।

टिप्पण : आशय यह है कि प्रत्येक कंपनी, जिसकी प्रतिभूतियाँ स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हों, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत प्रत्येक बाजार मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) से अनिवार्य रूप से यह अपेक्षित हो कि वह अपने कर्मचारियों द्वारा किये जाने वाले व्यापार (ट्रेडिंग) को विनियमित करने हेतु एक आचार संहिता बनाये । यह अपेक्षित है कि अनुसूची में निर्धारित मानकों का समावेश ऐसी आचार संहिता में अवश्य हो ।

(2) प्रत्येक अन्य व्यक्ति, जिससे कारबारी कार्यकलापों के दौरान अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी से संबंधित कामकाज देखना अपेक्षित हो, इन विनियमों के

अनुपालन हेतु, कर्मचारियों और अन्य संबद्ध व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले व्यापार (ट्रेडिंग) को विनियमित करने, उसका अनुश्रवण करने तथा उसकी रिपोर्ट देने के लिए एक आचार संहिता बनायेगा, जिसके अंतर्गत इन विनियमों की अनुसूची-ख में निर्धारित न्यूनतम मानकों को अपनाया जायेगा और साथ ही किसी भी प्रकार से इन विनियमों के उपबंधों के प्रभाव को कम नहीं किया जायेगा ।

टिप्पण : इस प्रावधान का आशय सूचीबद्ध कंपनियों और बाजार मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) से भिन्न ऐसे व्यक्तियों, जिनसे अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी से संबंधित कामकाज देखना अपेक्षित हो, के लिए यह अनिवार्य करना है कि वे अपने कर्मचारियों द्वारा प्रतिभूतियों में किये जाने वाले व्यापार (ट्रेडिंग) को विनियमित करने हेतु एक आचार संहिता बनायें । इन एंटिटियों के अंतर्गत सूचीबद्ध कंपनियों, बाजार मध्यवर्तियों और पूँजी बाजार (कैपिटल मार्केट) के अन्य सहभागियों (पार्टिसिपेंट) की सहायता करने वाली या को सलाह देने वाली व्यवसायिक फर्में शामिल हैं, जैसे लेखापरीक्षक (ऑडिटर), एकाउंटेंसी फर्में, विधि (लॉ) फर्में, विश्लेषक (एनालिस्ट), परामर्शदाता (कन्सलटेंट), आदि । यहाँ तक कि ऐसी एंटिटियाँ भी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी से संबंधित कामकाज देख सकती हैं, जो सामान्यतः पूँजी बाजार के बाहर क्रियाशील हों । इस प्रावधान के अनुसार उन सभी को आचार संहिता बनानी होगी।

(3) आचार संहिता बनाने वाली प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी, बाजार मध्यवर्ती और अन्य व्यक्ति इन विनियमों के अधीन आचार संहिता तथा अन्य अपेक्षाओं के पालन हेतु एक अनुपालन अधिकारी का चयन करेगा और उसे पदाभिहित करेगा ।

टिप्पण : इस प्रावधान का आशय किसी ज्येष्ठ अधिकारी को अनुपालन अधिकारी के रूप में पदाभिहित करना है, जो आचार संहिता के पालन हेतु और इन विनियमों के अनुपालन का अनुश्रवण करने के लिए जिम्मेदार होगा ।

अध्याय – V

विविध

अतिक्रमणों के लिए अनुशास्ति

10. इन विनियमों के किसी उल्लंघन के संबंध में कार्रवाई बोर्ड द्वारा अधिनियम के अनुसार की जायेगी ।

कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति

11. इन विनियमों के उपबंधों के निर्वचन या लागू होने के संबंध में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड को मार्गदर्शन टिप्पणों (गाइडेन्स नोट्स) या परिपत्रों (सर्कुलर्स) के माध्यम से निदेश जारी करने की शक्ति होगी :

परंतु यह कि जहाँ कोई निदेश बोर्ड द्वारा इन विनियमों के किसी उपबंध के निर्वचन या लागू होने के संबंध में किसी विनिर्दिष्ट मामले में जारी किया जाता है, तो वहाँ ऐसा केवल संबंधित व्यक्तियों को सुनवाई का उचित अवसर दिये जाने के पश्चात् और निदेश के कारणों को अभिलिखित किये जाने के पश्चात् किया जायेगा ।

निरसन और व्यावृत्तियाँ

12. (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 एतद्वारा निरसित किये जाते हैं ।

(2) ऐसा निरसन हो जाने पर भी, -

(क) निरसित विनियमों का पूर्व प्रवर्तन अथवा उनके अधीन सम्यक् रूप से की गयी या सहन की गयी कोई बात, निरसित विनियमों के अधीन अर्जित, प्रोद्भूत या उपगत कोई अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व, निरसित विनियमों का उल्लंघन करते हुए किये गये किसी अपराध की बाबत उपगत कोई शास्ति, समपहरण या दंड, अथवा यथापूर्वोक्त किसी ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता, दायित्व, शास्ति, समपहरण या दंड की बाबत कोई अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार, अप्रभावित रहेंगे मानो कि निरसित विनियम कभी निरसित ही न हुए हों ; और

(ख) निरसित विनियमों के अधीन, ऐसे निरसन के पूर्व, की गयी किसी बात या की गयी किसी कार्रवाई अथवा किये जाने के लिए तात्पर्यित किसी बात या किसी कार्रवाई, जिसमें प्रारंभ किया गया कोई न्यायनिर्णयन, जाँच या अन्वेषण अथवा जारी की गयी कारण बताओ सूचना सम्मिलित है, के बारे में यह समझा जायेगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन की गयी है ;

(3) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 के निरसन के पश्चात्, बोर्ड द्वारा बनाये गये किन्हीं अन्य विनियमों, तदधीन जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों (गाइडलाइन्स) या परिपत्रों में उसके किसी संदर्भ के बारे में यह समझा जायेगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के प्रति एक संदर्भ है ।

अनुसूची - क

[विनियम 8 का उप-विनियम (1) देखें]

अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के उचित प्रकटीकरण हेतु पद्धति एवं प्रक्रिया
संहिता के प्रयोजनार्थ उचित प्रकटीकरण के सिद्धांत

1. विश्वसनीय और ठोस जानकारी के आते ही अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी (जो कीमत-निर्धारण को प्रभावित कर सकती हो) का तुरंत सार्वजनिक प्रकटीकरण, ताकि ऐसी जानकारी साधारणतः उपलब्ध हो सके ।
2. अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी का एकसमान और व्यापक प्रसार, ताकि चुनिंदा प्रकटीकरण से बचा जा सके ।
3. जानकारी के प्रसार और अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के प्रकटीकरण हेतु किसी ज्येष्ठ अधिकारी को मुख्य निवेशक संपर्क अधिकारी के रूप में पदाभिहित करना ।
4. जिस अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी का अनजाने में या अन्यथा चुनिंदा प्रकटीकरण हो गया हो, उस अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी का तुरंत प्रसार करना ताकि ऐसी जानकारी साधारणतः उपलब्ध हो सके ।
5. समाचार रिपोर्टों पर आधारित प्रश्नों आदि और विनियामक प्राधिकरणों (रेग्यूलेटरी

ऑथारिटीज़) द्वारा बाजार अफवाहों के सत्यापन के अनुरोधों के प्रति उपयुक्त एवं निष्पक्ष प्रतिक्रिया ।

6. यह सुनिश्चित करना कि विश्लेषकों और अनुसंधान कार्मिकों के साथ साझा की जाने वाली जानकारी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी न हो ।

7. विश्लेषकों के साथ बैठकों और अन्य निवेश संपर्क संबंधी सम्मेलनों की कार्यवाहियों की अनुलिपियाँ या के अभिलेख अधिकृत वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु सर्वोत्तम पद्धतियाँ विकसित करना, ताकि आधिकारिक पुष्टि और किये गये प्रकटीकरणों का डॉक्यूमेंटेशन सुनिश्चित हो सके ।

8. जानने की आवश्यकता के आधार पर समस्त अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी का प्रबंधन ।

अनुसूची - ख

[विनियम 9 का उप-विनियम (1) एवं उप-विनियम (2) देखें]

अंतरंग व्यक्तियों द्वारा व्यापार (ट्रेडिंग) को विनियमित करने, उसका अनुश्रवण करने तथा उसकी रिपोर्ट देने संबंधी आचार संहिता हेतु न्यूनतम मानक

1. अनुपालन अधिकारी निदेशक बोर्ड को रिपोर्ट करेगा और विशिष्टतया, लेखापरीक्षा (ऑडिट) समिति, यदि कोई हो, के अध्यक्ष को या निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष को ऐसे अंतराल पर रिपोर्टें देगा, जैसा निदेशक बोर्ड द्वारा नियत किया जाये ।
2. समस्त जानकारी संगठन के भीतर ही, जानने की आवश्यकता के आधार पर, दी जायेगी और कोई भी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी किसी व्यक्ति को संसूचित नहीं की जायेगी, सिवाय वहाँ जहाँ ऐसी संसूचना अंतरंग व्यक्ति के विधिसम्मत प्रयोजनों, कर्तव्यों के पालन या उसकी विधिक बाध्यताओं के निर्वहन हेतु हो। आचार संहिता में चाइनीज़ वॉल संबंधी उपयुक्त प्रक्रियाओं हेतु मानक, और किसी पदाभिहित व्यक्ति को "क्रॉस द वॉल" हेतु अनुमति देने संबंधी प्रक्रियाएँ शामिल होंगी ।
3. संगठन में अपनी कार्यात्मक भूमिका के आधार पर पदाभिहित कर्मचारी और संबद्ध व्यक्ति ("पदाभिहित व्यक्ति") प्रतिभूतियों में व्यौहार (डीलिंग) को विनियमित करने वाली आंतरिक आचार संहिता द्वारा विनियमित होंगे । निदेशक बोर्ड अनुपालन अधिकारी के परामर्श से ऐसे पदाभिहित व्यक्तियों को विनिर्दिष्ट करेगा, जिन्हें संगठन में उनकी भूमिका और कार्य के आधार पर ऐसी संहिता के दायरे में लाया जाना हो । ज्येष्ठता

और पेशेबद्ध पद के अलावा, उस पहुँच पर भी पूरा ध्यान दिया जायेगा जिसके अनुसार ऐसी भूमिका और ऐसे कार्य के फलस्वरूप अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच उपलब्ध होती हो ।

4. पदाभिहित व्यक्ति इन विनियमों के अनुपालन के अध्यक्षीन व्यापार (ट्रेड) कर सकेंगे । इस उद्देश्य हेतु, आनुमानिक व्यापार पटल (नोशनल ट्रेडिंग विंडो) का इस्तेमाल पदाभिहित व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले व्यापार (ट्रेडिंग) पर निगरानी रखने (को मॉनीटर करने) के एक जरिये के तौर पर किया जायेगा । व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) तब बंद कर दिया जायेगा जब अनुपालन अधिकारी को यह निश्चित हो जाये कि ऐसी युक्तियुक्त प्रत्याशा है कि पदाभिहित व्यक्ति या पदाभिहित व्यक्तियों के वर्ग के कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी है । इस प्रकार ऐसी प्रतिभूतियों के संबंध में व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) बंद कराया जायेगा, जिनसे ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी संबंध रखती हो । जिस समय व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) बंद हो, उस समय पदाभिहित व्यक्ति और उनके सीधे नातेदार प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेड) नहीं करेंगे ।

5. व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) के पुनः खुलने का समय अनुपालन अधिकारी द्वारा विभिन्न कारकों पर विचार करके तय किया जायेगा, जिनमें सम्मिलित हैं - संबद्ध अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी का साधारणतः उपलब्ध जानकारी बन जाना और बाजार द्वारा समावेश के लायक बनना, जो किसी भी दशा में जानकारी के साधारणतः उपलब्ध जानकारी बन जाने के पश्चात् अड़तालीस घंटों से पहले नहीं होगा। व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) ऐसे किसी व्यक्ति के लिए भी लागू होगा जिसका कंपनी के साथ

संविदात्मक या वैश्वसिक संबंध हो, जैसे लेखापरीक्षक (ऑडिटर), अकाउंटेंसी फर्म, विधि (लॉ) फर्म, विश्लेषक, परामर्शदाता, आदि, जो कंपनी की सहायता करते हैं या को सलाह देते हैं ।

6. जिस समय व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) खुला हो, उस समय पदाभिहित व्यक्तियों द्वारा व्यापार (ट्रेडिंग) अनुपालन अधिकारी की पूर्व-मंजूरी के अध्यक्षीन होगा, यदि प्रस्तावित व्यापारों (ट्रेड) का मूल्य ऐसी सीमाओं (थ्रेसहोल्ड) से अधिक हो, जो निदेशक बोर्ड निर्धारित करे । कोई भी पदाभिहित व्यक्ति किसी प्रस्तावित व्यापार (ट्रेड) की पूर्व-मंजूरी के लिए आवेदन नहीं करेगा यदि ऐसे पदाभिहित व्यक्ति के कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हो फिर भले ही व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) बंद न हुआ हो।

7. अनुपालन अधिकारी गोपनीय रूप से ऐसी प्रतिभूतियों की सूची "निर्बाधित सूची" के रूप में रखेगा, जिसका इस्तेमाल व्यापारों (ट्रेड) की पूर्व-मंजूरी के आवेदनों को मंजूर (अनुमोदित) करने या नामंजूर करने के आधार के तौर पर किया जायेगा ।

8. किन्हीं व्यापारों (ट्रेड) को अनुमोदित करने से पूर्व, अनुपालन अधिकारी इस आशय की घोषणाएँ मंगाने का हकदार होगा कि पूर्व-मंजूरी हेतु आवेदन करने वाले आवेदक के कब्जे में कोई अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी नहीं है । वह इस बात पर भी ध्यान देगा कि क्या कोई ऐसी घोषणा तर्कसंगत रूप से गलत ठहरायी जा सकने योग्य है।

9. आचार संहिता में किसी ऐसी उपयुक्त समय-सीमा का उल्लेख होगा, जो किसी भी दशा में व्यापार के सात दिनों (ट्रेडिंग-डे) से अधिक नहीं होगी, जिसके भीतर पदाभिहित

व्यक्ति को वे व्यापार (ट्रेड) करने होंगे जिनके लिए पूर्व-मंजूरी दी जा चुकी हो, ऐसा न होने की स्थिति में किये जाने वाले व्यापारों (ट्रेड) के लिए फिर से पूर्व-मंजूरी लेनी होगी।

10. आचार संहिता में उस अवधि का उल्लेख होगा, जो किसी भी दशा में छह महीनों से कम की नहीं होगी, जिसके भीतर वह पदाभिहित व्यक्ति जिसे व्यापार (ट्रेड) करने की अनुमति हो, कॉण्ट्रा ट्रेड नहीं करेगा। अनुपालन अधिकारी को यह शक्ति दी जा सकेगी कि वह, ऐसे कारणों से जो लिखित रूप में अभिलिखित किये जायेंगे, ऐसे निर्बंधन के कड़ाई से लागू होने को शिथिल कर सकेगा बशर्ते कि इस प्रकार शिथिल किये जाने से इन विनियमों का अतिक्रमण (उल्लंघन) न हो। अगर कॉण्ट्रा ट्रेड, चाहे अनजाने में या अन्यथा, ऐसे निर्बंधन का उल्लंघन करके किया जाये, तो ऐसे व्यापार (ट्रेड) से होने वाले मुनाफे (लाभ) बोर्ड को प्रत्यर्पित किये (लौटाये) जाने के दायी होंगे, ताकि उन्हें निवेशक संरक्षण और शिक्षण निधि, जिसका संचालन अधिनियम के अधीन बोर्ड द्वारा किया जाता है, में जमा किया जा सके।

11. आचार संहिता में ऐसे फार्मेट निर्धारित होंगे, जो निदेशक बोर्ड - पूर्व-मंजूरी के लिए आवेदन करने के संबंध में, किये गये व्यापारों (ट्रेड) की रिपोर्ट देने के संबंध में, पूर्व-मंजूरी प्राप्त करने के पश्चात् व्यापार (ट्रेड) न करने के निर्णयों (विनिश्चयों) की रिपोर्ट देने के संबंध में, ऐसे निर्णयों (विनिश्चयों) के कारणों को अभिलिखित करने के संबंध में और ऐसे अंतरालों (जो आवश्यकतानुसार निर्धारित किये जायें) पर प्रतिभूतियों में धारिताओं (होल्डिंग्स) के रिपोर्टिंग लैवल (स्तर) के संबंध में, इन विनियमों के अनुपालन पर निगरानी रखने (को मॉनीटर करने) के लिए आवश्यक समझे।

12. अधिनियम के अधीन बोर्ड की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आचार संहिता में ऐसी अनुशास्तियों (सैंक्शन्स) और अनुशासनिक कार्रवाइयों का उल्लेख होगा, जिनमें सम्मिलित हैं - वेतन आदि पर रोक, निलंबन, आदि, जो उन व्यक्तियों द्वारा, आचार संहिता के उल्लंघन के लिए, अधिरोपित की जा सकेंगी, जिन व्यक्तियों से विनियम 9 के उप-विनियम (1) तथा उप-विनियम (2) के अधीन आचार संहिता बनाना अपेक्षित है ।

13. आचार संहिता में यह उल्लेख होगा कि यदि उन व्यक्तियों द्वारा, जिनसे विनियम 9 के उप-विनियम (1) तथा उप-विनियम (2) के अधीन आचार संहिता बनाना अपेक्षित है, यह पाया जाये कि इन विनियमों का अतिक्रमण (उल्लंघन) हुआ है, तो वे तुरंत बोर्ड को सूचित करेंगे ।

यू.के. सिन्हा

अध्यक्ष

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड